‘क्यूबा के प्रसिद्ध लेखक, दार्शनिक थे खोसे मारती’

क्यूबा के प्रसिद्ध लेखक, दार्शनिक पर हिंदी में पहली पुस्तक ‘खोसे मारती : एक युगपुरुष’ का लोकार्पण 19 मई को साहित्य अकादेमी सभागार में किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि भारत में क्यूबा गणराज्य के राजदूत महामहिम जुआन कार्लोस मर्सान अग्यूलेरा थे। इस अवसर पर पुस्तक की संपादिका और अनुवादिका विभा मोर्य भी उपस्थित थीं। कार्यक्रम का आयोजन साहित्य अकादेमी एवं क्यूबा गणराज्य के दूतावास के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था।

साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने अंगवस्त्रम् एवं पुस्तकें भेंट करके सभी का स्वागत किया। उन्होंने अपने स्वागत वक्तव्य में कहा कि खोसे मारती ने अपने बहुत कम समय के जीवन में क्यूबा को स्वतंत्रता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए महामहिम जुआन कार्लोस मर्सान अग्यूलेरा ने इस बात पर खुशी व्यक्त की कि हिंदी में खोसे मारती पर पहली पुस्तक उनके जीवन और कार्यों को सबके सामने लाएगी। खोसे मारती ने हमेशा शिक्षा को महत्वपूर्ण माना और युवाओं को उससे जोड़ने के लिए उनके लिए भरपूर मात्रा में लिखा। पुस्तक की संपादक एवं अनुवादिका विभा मोर्य ने इस पुस्तक के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि 27 खंडों में प्रकाशित खोसे मारती के लेखन को एक छोटी पुस्तक में समेटना बहुत मुश्किल था। उन्होंने यह भी बताया कि वे भारत को गीता और बुद्ध के देश के रूप में याद करते हैं। अंत में धन्यवाद ज्ञापन अकादेमी के उपसचिव देवेंद्र कुमार देवेश द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न देशों के राजदूत विश्वविद्यालय के छात्र लेखक एवं पत्रकार मौजूद थे।